‘संथारा’ पर कोर्ट के फैसले के विरोध में कई प्रदर्शन

मुंबई। जैन धर्म की प्राचीनकाल से चली आ रही धार्मिक व्यवस्था ‘संथारा’ को राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा आत्महत्या करार दिए जाने से नाराज जैन समाज ने सोमवार को मुंबई के विभिन्न इलाकों में प्रदर्शन किया। जिनमें हजारों जैन धर्मावलंबियों ने भाग लेकर अपना विरोध दर्ज किया। वालकेश्वर में विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा द्वारा आयोजित धर्म सभा के बाद जैन समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने राज्यपाल को ज्ञापन दिया। राजभवन में राज्यपाल से मिले इस प्रतिनिधि मंडल के गच्छाधिपति आचार्य प्रद्युम्नविमल सूरीश्वर महाराज, आचार्य हेमचंद्र सूरीश्वर महाराज, आचार्य कुशलचंद्र सूरीश्वर महाराज, मुनि भाग्यचंद्र विजय महाराज, डॉ. चंदनाश्रीजी महाराज आदि जैन संतों के साथ कनक परमार, अतुल वृजलाल शाह, श्रीमती मंजू लोढ़ा, गिरिशभाई शाह, किशन डागलिया आदि ने राज्यपाल को जैन समाज की भावनाओं से अवगत कराया।

मुंबई का सबसे प्रमुख विरोध कार्यक्रम वालकेश्वर स्थित बाबू अमीचंद पन्नालाल जैन मंदिर में आयोजित हुआ। इस धर्म सभा में विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा के प्रयासों से जैन समाज की कुल 126 संस्थाओं के पदाधिकारी व अन्य हजारों लोग इस धर्म सभा में शामिल हुए। इस मौके पर ‘महाजनम’ के गिरिश शाह, ‘वर्धमान परिवार’ के अतुल वृजलाल शाह, ‘जिन कुशल मंडल’ की श्रीमती मंजू लोढ़ा आदि ने अपने संबोधन में ‘संथारा’ को आत्मोत्सर्ग की दिशा में प्रवृत्त होने की जैन धर्म की मूल परंपरा बताते हुए इसमें कानून के दखल का विरोध किया। ‘जैन शक्ति फाउंडेशन’ के कनक परमार ने समाज को जानकारी दी कि हाईकोर्ट के फैसले के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में जाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर किस स्तर की तैयारियां चल रही है। इस धर्म सभा में जैन शक्ति फाउंडेशन, समस्त महाजन, वर्धमान परिवार, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ समिति, वर्धमान परिवार, जैन अलर्ट ग्रुप ऑफ़ इंडिया, श्री स्थानकवासी जैन संघ, अखिल भारतीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी, मुंबई जैन पत्रकार संघ, भारत जैन महामंडल, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, आदि कई जैन संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सुरेंद्र के शाह एवं प्रमोद जैन का इस धर्म सभा के आयोजन में विशेष सहयोग रहा। इस धर्म सभा में बड़ी संख्या में लोगो ने हिस्सा लेकर जैन धर्म की प्राचीनकाल से चली आ रही धार्मिक परंपरा ‘संथारा’ को राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा आत्महत्या करार दिए जाने पर नाराजगी व्यक्त की।

□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□। □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□

□□□□□□□, □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□, □□□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□□, □□□ □□□□□□, □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□، □□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□، □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□, □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□، □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ '□□□□□□□□' □□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ 306 □□□□ 309 □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□، □□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□، □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□، □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□،

□□□□□□□□□□□□□- 1

'□□□□□□□□' □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□، □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□، □□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□، □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□، □□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□،

-□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ – □□□□□□□□□ □□□□ □□□□

□□□□□□□□□□□□□- 2

□□□□ □□□□□ □□□□ '□□□□□□□□' □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □ □□□□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□، □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□، □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ – □□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□، □□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□، □□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□،

-□□□□□ □□□□□□ – □□□□□□□

□□□□□□□□□□□□□- 3

□□□ □□□□ □□□ '□□□□□□□' □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□, □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□, □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ '□□□□□□□' □□, □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□,

□□□□□ □□□□□□□ □□□ – □□□□□□□□□□